-विषय-संकाय के चयन की स्वतंत्रता नई शिक्षा नीति में वरदान के समान-- प्रो. रविंद्र |

- कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अक्षम्य अपराध, मुखरता और पारदर्शी कार्यवाही ही समाधान- प्रो. आशा शुक्ला|

इटावा,02 सितंबर | जनता कॉलेज बकेवर में नई शिक्षा नीति- 2020 का प्रभावी क्रियान्वयन के साथ कार्यस्थल पर लैंगिक समानता जैसे प्रासंगिक और ज्वलंत विषयों पर आयोजित अतिथि व्याख्यान के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद भोपाल से आमंत्रित वाणिज्य एवं व्यवसाय विभाग के वरिष्ठ शिक्षाविद मुख्य वक्ता प्रो. रविंद्र कुमार शुक्ल ने नई शिक्षा नीति- 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के आलोक में बताया कि वर्तमान परिदृश्य में एक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान का दूसरे संस्थान से समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.)अत्यंत सरल और आवश्यक कर दिया गया है तथा एक विषय संकाय के छात्र को अपने अध्ययन के दौरान विषय या संकाय के चयन की स्वतंत्रता भी प्रदान कर दी गई है , इसके साथ ही अखिल भारतीय स्तर पर छात्र द्वारा एक शिक्षण संस्थान में अर्जित की गई शिक्षण-प्रशिक्षण क्रेडिट अन्य दूसरे स्थान के शिक्षण संस्थान की क्रेडिट में जुड़ कर उसके भविष्य की उत्तरोत्तर प्रगति में मील का पत्थर साबित होगी |

द्वितीय सत्र के अतिथि व्याख्यान की मुख्य वक्ता प्रो. आशा शुक्ला ,पूर्व कुलपति, डॉ बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू ,इंदौर ,मध्य प्रदेश ने कार्यस्थल पर लैंगिक समानता पर पुरजोर तरीके से अपनी बात को विभिन्न तर्कों तथा विश्लेषण के आधार पर बताया कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न पर पीड़ित व्यक्ति को मुखर होना चाहिए क्योंकि उत्पीड़न सहना उत्पीड़न को बढ़ावा देना होता है ,जो कि एक अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है, इसके साथ डॉ. शुक्ला ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि शिक्षण संस्थानों या कार्यस्थल पर गठित महिला उत्पीड़न शिकायत प्रकोष्ठ को महाविद्यालय स्तर पर प्रभावी और निष्पक्ष तरीके से अपनी जांच के उपरांत पारदर्शिता पूर्ण निर्णय हेतु अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी | कालेज के प्रबंध समिति सेक्रेटरी श्री अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्ति के लिए महाविद्यालय परिवार के प्रत्येक शिक्षक, कर्मचारी व संपूर्ण आंतरिक व्यवस्था को एक इकाई के रूप में समर्पित होकर अपने उत्तरदायित्व को पूर्ण मनोयोग, निष्ठा, समर्पण एवं टीम भावना के साथ संपादित करना सुनिश्चित करना होगा |

प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने नई शिक्षा नीति- 2020 पर सारगर्भित और प्रासंगिक अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय परिवार द्वारा आमंत्रित मुख्य अतिथि-अभ्यागतों तथा कालेज परिवार का आभार व्यक्त किया,कार्यक्रम का सफल संचालन कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ अशोक कुमार पांडेय द्वारा किया गया |कार्यक्रम में प्राध्यापक व कर्मचारीगणों सहित समस्त महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही|